दैनिक
विश्वनाथ समाचार
RNI NO. MPHIN/25/A4357
संदीप परमार (सेन)
(प्रधान संपादक)
मो. 9755161156
www.vishwanathsamachar.com | इंदौर, शुक्रवार 20 नवम्बर 2026 | वर्ष 1 | कुल पृष्ठ : 8 | DIGITAL EDITION

यूपी में पर्यटन की नई सौगात



उत्तर प्रदेश में धार्मिक और ऐतिहासिक पर्यटन को बढ़ावा देने की तैयारी तेज हो गई है। बाबा नीब करौरी से जुड़े प्रमुख स्थलों को बुंदेलखंड के ऐतिहासिक किलों और विरासत स्थलों से जोड़कर नया पर्यटन सर्किट विकसित करने की योजना पर काम किया जा रहा है। इसका उद्देश्य श्रद्धालुओं और पर्यटकों को एक ही यात्रा में धार्मिक आस्था के साथ बुंदेलखंड की ऐतिहासिक विरासत से रूबरू कराना है। इस सर्किट में मंदिरों, आश्रमों, प्राचीन किलों और ऐतिहासिक स्थलों को बेहतर सड़क संपर्क, सुविधाओं और पर्यटन सेवाओं से जोड़ने पर जोर रहेगा। सरकार का मानना है कि इससे स्थानीय कारोबार, होटल, परिवहन और रोजगार को भी बढ़ावा मिलेगा। बुंदेलखंड की विरासत को धार्मिक पर्यटन से जोड़ने की पहल क्षेत्र के पर्यटन मानचित्र को नई पहचान दे सकती है।

महिला एशियन हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने टूर्नामेंट का किया शुभारंभ,



विश्वनाथ समाचार
www.vishwanathsamachar.com

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 19 नवंबर को भोपाल के नाथू बरखेड़ा स्थित अंतरराष्ट्रीय स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में महिला एशियन हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी टूर्नामेंट का शुभारंभ किया। उन्होंने टूर्नामेंट के उद्घाटन मुकाबले में आमने-सामने उतरीं भारत-मलेशिया की टीमों की खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उनका उत्साहवर्धन किया और बेहतर प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने भारत की टीम की स्पोर्ट्स जर्सी का विमोचन भी किया।

इस मौके पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश के लिए आज खेलों का स्वर्णिम दिवस है। प्रदेश में पहली बार आयोजित हो रही इंटरनेशनल एशियन चैंपियनशिप का शुभारंभ हम सभी के लिए, विशेषकर खिलाड़ियों, हॉकी प्रेमियों और प्रदेशवासियों के लिए गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि आज भारत और मलेशिया के बीच पहला मुकाबला खेला जा रहा है। महिला हॉकी का यह अद्भुत टूर्नामेंट आज से 28 नवंबर तक लगातार चलेगा।हमारे लिए यह टूर्नामेंट एक उपलब्धि

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भोपाल के इस हॉकी स्टेडियम और पूरे स्पोर्ट्स एरीना में अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। इसके लिए मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हृदय से धन्यवाद करना चाहता हूं। उनके नेतृत्व में देश में खेलों का सकारात्मक माहौल बन रहा है और हॉकी एक बार फिर अपने स्वर्णिम दौर की ओर लौट रही है। उन्होंने कहा कि भोपाल में इस अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट का आयोजन होना हमारे लिए विशेष उपलब्धि है।



उत्कृष्ट प्रदर्शन करेंगे खिलाड़ी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इस टूर्नामेंट में भारत के अलावा छह देशों की टीमें हिस्सा ले रही हैं। मेरी ओर से सभी टीमों और खिलाड़ियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। हमें उम्मीद है कि सभी खिलाड़ी अपनी पूरी क्षमता के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन करेंगे। साथ ही, मध्यप्रदेश की अतिथि सत्कार की गौरवशाली परंपरा के अनुरूप यहां के खिलाड़ी भी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर देश और प्रदेश का मान बढ़ाएंगे। मेरी ओर से सभी को हार्दिक शुभकामनाएं।

'हाता नहीं, भाता' की सोच पर अखिलेश का निशाना

गोरखपुर में ब्राह्मण परिवार से कथित बदसलूकी पर सपा ने योगी सरकार को घेरा



गोरखपुर। ब्राह्मण परिवार के साथ पुलिस की कथित बर्बरता और जूते चटाने के आरोपों को लेकर उत्तर प्रदेश की सियासत गरमा गई है। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मामले को लेकर योगी आदित्यनाथ सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने गोरखपुर पहुंचकर पूर्व मंत्री स्वर्गीय हरिशंकर तिवारी के आवास पर ब्राह्मण समाज के नेताओं से मुलाकात की और घटना को लेकर चर्चा की।

अखिलेश ने आरोप लगाया कि प्रदेश में सत्ता के प्रभाव में पुलिस कार्रवाई हो रही है और आम लोगों के सम्मान की अनदेखी की जा रही है। उन्होंने कहा कि कानून का राज तभी माना जाएगा, जब हर नागरिक के साथ समान व्यवहार हो। मामले को लेकर सपा ने सरकार से पुलिस कार्रवाई की निष्पक्ष जांच और दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। वहीं, प्रकरण पर सरकार और पुलिस का पक्ष भी सामने आना बाकी है। आरोपों की स्वतंत्र जांच के बाद ही पूरे मामले की तस्वीर साफ होगी।

बराक मिसाइल से नौसेना की ढाल मजबूत

विश्वनाथ समाचार
www.vishwanathsamachar.com

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना के युद्धपोत अब हवाई खतरों से मुकाबले के लिए और मजबूत होंगे। रक्षा मंत्रालय ने इजराइल की कंपनी इजराइल एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज के साथ 1,976.40 करोड़ रुपये का करार किया है। इसके तहत युद्धपोतों



पर तैनात बराक वायु रक्षा प्रणाली का व्यापक उन्नयन किया जाएगा। करार के तहत बराक प्रणाली के पुराने उपकरणों और तकनीक को आधुनिक बनाया जाएगा। इसके हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर में सुधार से प्रणाली की क्षमता और विश्वसनीयता बढ़ेगी। यह व्यवस्था युद्धपोतों को दुश्मन के विमानों और पोत-रोधी मिसाइलों जैसे हवाई खतरों से बचाने में अहम भूमिका निभाती है। रक्षा मंत्रालय ने 18 नवंबर को नई दिल्ली में यह समझौता किया। लंबे समय से इस्तेमाल हो रही प्रणाली के आधुनिकीकरण से नौसेना के मौजूदा युद्धपोतों की सुरक्षा क्षमता को बढ़ावा मिलेगा। भारत-इजराइल रक्षा सहयोग के लिहाज से भी इसे महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

दैनिक
विश्वनाथ समाचार
इंदौर, शुक्रवार 20 नवम्बर 2026

देवउठनी ग्यारस आज, चार महीने बाद फिर शुरू होंगे मांगलिक कार्य

भगवान विष्णु के योग निद्रा से जागने के साथ विवाह, गृह प्रवेश और मुंडन जैसे शुभ आयोजनों की होगी शुरुआत; 16 दिसंबर से खरमास के चलते फिर लगेगा विराम

पीथमपुर। कार्तिक शुक्ल पक्ष की देवउठनी एकादशी यानी देवउठनी ग्यारस शुक्रवार, 20 नवंबर को मनाई जाएगी। इसी के साथ पिछले चार महीने से बंद पड़े मांगलिक कार्यों की शुरुआत हो जाएगी। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इस दिन भगवान विष्णु चार महीने की योग निद्रा से जागते हैं। इसके बाद विवाह-विवाह, गृह प्रवेश, मुंडन सहित अन्य शुभ कार्यों का सिलसिला शुरू हो जाता है। देवउठनी एकादशी को प्रबोधिनी एकादशी और देवोत्थानी एकादशी के नाम से भी जाना जाता है। दो दिन रहेगी एकादशी तिथि9 कार्तिक शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि 20 नवंबर को सुबह 7:16 बजे शुरू होकर 21 नवंबर को सुबह 6:32 बजे तक रहेगी। तिथि दो दिन होने के कारण अलग-अलग परंपराओं में व्रत की तारीख भी अलग रहेगी। गृहस्थ श्रद्धालु 20 नवंबर शुक्रवार को एकादशी का व्रत रखेंगे, जबकि वैष्णव परंपरा को मानने वाले श्रद्धालु 21 नवंबर शनिवार को व्रत करेंगे।

21 नवंबर को होगा तुलसी-शालिग्राम विवाह- देवउठनी एकादशी के अगले दिन 21 नवंबर को तुलसी विवाह की परंपरा निभाई जाएगी।

बोरीवाल को शुभकामनाएं एवं बधाई प्रेषित की

शंकरलाल बोरीवाल भारतीय मानव अधिकार मोर्चा मध्य प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त

विश्वनाथ समाचार - नितिन पंड्या
www.vishwanathsamachar.com

बड़नगर। भारतीय मानव अधिकार मोर्चा के राष्ट्रीय संगठन सचिव राजेश जैन की अनुशंसा एवं भारतीय मानव अधिकार मोर्चा के राष्ट्रीय महासचिव विकास जैन नई दिल्ली की सहमति से भारतीय मानव अधिकार मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अक्षय कुमार मुनि ने शंकरलाल बोरीवाल को भारतीय मानव अधिकार मोर्चा मध्य प्रदेश का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया है।



शंकरलाल बोरीवाल को प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने पर भारतीय मानव अधिकार मोर्चा की महिला प्रदेश अध्यक्ष संध्या शर्मा, राष्ट्रीय संगठन सचिव राजेश जैन, पूर्व अध्यक्ष मानव अधिकार मोर्चा मध्य प्रदेश नितिन पंड्या, पत्रकार दिनेश रजक, पूर्व सरपंच ठाकुर भंवर सिंह देवड़ा, प्रताप सिंह सोलंकी, सर्राफा एसोसिएशन के अध्यक्ष आशीष जैन, प्रकाश जैन संघवी आदि ने हर्ष व्यक्त करते हुए प्रदेश अध्यक्ष शंकरलाल बोरीवाल को शुभकामनाएं एवं बधाई प्रेषित की। इस अवसर पर बोरीवाल को पुष्प मालाएं पहनाकर उनका भव्य स्वागत एवं सम्मान किया गया।

118 दिन की योगनिद्रा के बाद जागेंगे श्रीहरि,

चार माह का लेखा-जोखा लेकर हरि के दरबार पहुंचेंगे भोलेनाथ

गौतमपुरा में पहली बार होगा दिव्य हरिहर मिलन, 23 नवंबर की मध्यरात्रि अचलेश्वर महादेव की पालकी के साथ साकार होगा शिव-विष्णु मिलन का अलौकिक उत्सव



अजय भावसार
विश्वनाथ समाचार
www.vishwanathsamachar.com

गौतमपुरा। देवउठनी एकादशी के साथ ही सनातन परंपरा में मांगलिक आयोजनों की शुरुआत होने जा रही है। 118 दिनों की योगनिद्रा के बाद भगवान श्रीहरि विष्णु जागृत होंगे तो चातुर्मास के दौरान सृष्टि संचालन का दायित्व संभालने वाले भगवान भोलेनाथ चार माह का प्रतीकात्मक लेखा-जोखा लेकर हरि के दरबार पहुंचेंगे। इसी पौराणिक मान्यता और धार्मिक परंपरा को जीवंत स्वरूप देने के लिए गौतमपुरा में पहली बार 23 नवंबर को भव्य दिव्य हरिहर मिलन समारोह आयोजित किया जाएगा। बैकुंठ चतुर्दशी के अवसर पर श्री अचलेश्वर महादेव की भव्य पालकी रात्रि 10 बजे मंदिर से रवाना होगी और मध्यरात्रि 12 बजे श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर, थाना परिसर के पीछे भगवान शिव और भगवान विष्णु का दिव्य मिलन संपन्न होगा। ढोल-नगाड़ों, धार्मिक धुनों और हर-हर महादेव के जयकारों के बीच होने वाला यह आयोजन गौतमपुरा के धार्मिक इतिहास में नया अध्याय जोड़ने जा रहा है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार देवशयनी एकादशी से भगवान विष्णु योगनिद्रा में चले जाते हैं और चातुर्मास के चार महीनों में भगवान शिव सृष्टि के संचालन की व्यवस्था संभालते हैं। देवउठनी एकादशी पर श्रीहरि के जागरण के साथ चातुर्मास समाप्त होता है तथा विवाह, गृह प्रवेश सहित मांगलिक कार्यों की शुरुआत होती है। इसी परंपरा के प्रतीकात्मक स्वरूप में भगवान अचलेश्वर महादेव चार माह का लेखा-जोखा लेकर भगवान श्रीहरि विष्णु के दरबार पहुंचेंगे। इस दौरान हर और हरि के मिलन का विशेष धार्मिक आयोजन होगा। आयोजन के लिए महंत राजेश जी ने नगर के समस्त धर्मप्रेमी नागरिकों, श्रद्धालुओं और सनातन धर्मावलंबियों से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर इस ऐतिहासिक पल का साक्षी बनने की अपील की है। पालकी यात्रा के पश्चात महाप्रसादी का आयोजन भी रखा गया है। गौतमपुरा में पहली बार होने जा रहा यह दिव्य हरिहर मिलन केवल धार्मिक उत्सव नहीं, बल्कि शिव और विष्णु की एकात्मता, सनातन संस्कृति की समरसता और अटूट आस्था का संदेश भी देगा।





फ्रिज फटने से मकान में लगी भीषण आग, घर में फंसे लोगों के लिए देवदूत बने डायल-112 के जवान

जान की परवाह किए बिना आग के बीच घुसे पुलिसकर्मी, दो गैस सिलेंडर भी सुरक्षित निकाले; सूझबूझ और साहस से टली बड़ी दुर्घटना

दमोह। शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र में बुधवार देर रात फ्रिज फटने से एक मकान में भीषण आग लग गई। आग की लपटों और धुएं के बीच घर में मौजूद लोगों की जान खतरे में पड़ गई। ऐसे संकटपूर्ण समय में डायल-112 के जवानों ने अदम्य साहस और सूझबूझ का परिचय देते हुए घर में फंसे लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। इतना ही नहीं, मकान के अंदर रखे दो गैस सिलेंडरों को भी जोखिम उठाकर बाहर निकाल लिया। पुलिस जवानों की तत्परता से संभावित बड़ा हादसा और जनहानि टल गई। घटना 18 नवंबर की रात करीब 2:21 बजे की है। बेदरा मस्जिद के पास स्थित एक मकान में फ्रिज फटने के कारण आग लगने और घर के अंदर लोगों के फंसे होने की सूचना राज्य स्तरीय पुलिस कंट्रोल रूम डायल-112 भोपाल को मिली थी। सूचना मिलते ही दमोह कंट्रोल रूम ने एफआरवी क्रमांक-04 और एफआरवी क्रमांक-01 को तत्काल घटनास्थल के लिए रवाना किया। साथ ही कोतवाली थाना पुलिस, फायर ब्रिगेड और विद्युत विभाग को भी सूचना देकर राहत एवं बचाव कार्य के लिए अलर्ट किया गया।

आग के बीच घुसकर बचाई लोगों की जान

सूचना मिलते ही डायल-112 के आरक्षक रानू राय, आरक्षक भूपेंद्र पांडे, पायलट हरिशंकर और पायलट अनिल आठिया मौके पर पहुंचे। मकान में आग की गंभीर स्थिति को देखते हुए जवानों ने बिना समय गंवाए बचाव अभियान शुरू किया। आग और धुएं के बीच घर में फंसे लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। इसके बाद घर में रखे दो गैस सिलेंडरों को भी सावधानीपूर्वक बाहर निकालकर एक संभावित बड़े विस्फोट का खतरा टाल दिया।

इसी दौरान फायर ब्रिगेड ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाने का प्रयास शुरू किया, वहीं विद्युत विभाग (एमपीईबी) ने सुरक्षा की दृष्टि से बिजली सप्लाई बंद कर दी। सभी विभागों के समन्वित प्रयासों से स्थिति को नियंत्रित किया गया। पुलिस जवानों के साहस की हो रही सराहना-आधी रात के सन्नाटे में सामने आई इस आपात स्थिति में डायल-112 के जवानों ने अपनी सुरक्षा की परवाह किए बिना जिस तत्परता और साहस से राहत कार्य किया, वह पुलिस की कर्तव्यनिष्ठा और जनसेवा की भावना को दर्शाता है। समय रहते लोगों को बाहर निकालने और गैस सिलेंडरों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने से एक बड़ी दुर्घटना की आशंका टल गई। संकट की घड़ी में पुलिस जवानों की यह भूमिका साबित करती है कि आपातकालीन परिस्थितियों में डायल-112 की त्वरित सहायता आमजन के लिए कितनी महत्वपूर्ण है।

25 नवंबर को होगा भव्य पुनर्निर्माण

37 साल बाद फिर संवरेगा चंद्रमौलेश्वर महादेव मंदिर का दिव्य धाम

राजस्थान के लाल पत्थरों से बनेगा 61 फीट ऊंचा भव्य शिखर, संत-महात्माओं के सानिध्य में अन्नकूट महोत्सव; वैदिक परंपरा और प्राचीन स्थापत्य शैली का दिखेगा अद्भुत संगम



संदीप परमार (सेन)
प्रधान संपादक-9755161156
विश्वनाथ समाचार
www.vishwanathsamachar.com

देपालपुर। नगर के प्राचीन धार्मिक एवं आध्यात्मिक केंद्र चंद्रमौलेश्वर महादेव मंदिर में एक नए स्वर्णिम अध्याय की शुरुआत होने जा रही है। वर्षों से शिव आराधना, रुद्राष्टक और शिव पंचाक्षर स्तोत्र के पाठ से गुंजायमान रहने वाला मंदिर परिसर अब भव्य स्वरूप में आकार लेने जा रहा है। मंदिर के पुनर्निर्माण को लेकर बुधवार, 25 नवंबर 2026 को विधि-विधान एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ भव्य भूमि पूजन किया जाएगा। इसी अवसर पर संत-महात्माओं के पावन सानिध्य में अन्नकूट महोत्सव एवं महाप्रसादी का आयोजन भी होगा। उल्लेखनीय है कि चंद्रमौलेश्वर महादेव मंदिर का प्रथम पुनर्निर्माण वर्ष 1988 में हुआ था। तब से निरंतर इस पावन धाम में शिवभक्तों द्वारा नियमित रूप से पूजा-अर्चना एवं धार्मिक अनुष्ठान किए जा रहे हैं। समय के साथ मंदिर का प्रांगण जर्जर अवस्था में पहुंच गया, जिसके चलते भक्त परिवार ने इसे पुनः भव्य, दिव्य एवं आकर्षक स्वरूप प्रदान करने का संकल्प लिया। इसी संकल्प को साकार करने की दिशा में अब मंदिर का व्यापक पुनर्निर्माण किया जा रहा है।

प्राचीन स्थापत्य शैली में होगा मंदिर का निर्माण

मंदिर पुनर्निर्माण की सबसे खास बात यह है कि इसका निर्माण आधुनिकता के बजाय प्राचीन भारतीय मंदिर स्थापत्य परंपरा को ध्यान में रखकर किया जाएगा। संपूर्ण मंदिर राजस्थान के प्रसिद्ध लाल पत्थरों से निर्मित होगा। मंदिर का गर्भगृह 15×15 फीट का होगा, जबकि इसकी नींव जमीन से 15 फीट नीचे तक रखी जाएगी। निर्माण की विशेषता यह रहेगी कि नींव में लोहे के सरिए एवं सीमेंट का उपयोग नहीं किया जाएगा, बल्कि प्राचीन निर्माण पद्धति को अपनाया जाएगा। मंदिर को जमीन से छह फीट ऊंचे चबूतरे पर स्थापित किया जाएगा, जिसके ऊपर 61 फीट ऊंचा विशाल शिखर निर्मित होगा। श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सामूहिक धार्मिक आयोजनों के लिए 35×35 फीट का विशाल सभा मंडप भी बनाया जाएगा। मंदिर



परिसर में वैदिक यज्ञशाला, 30×35 फीट का सत्संग एवं प्रवचन हॉल तथा नवग्रह मंदिर का निर्माण भी प्रस्तावित है। इसके साथ ही परिसर की आध्यात्मिक सुंदरता बढ़ाने के लिए आकर्षक बगीचे का निर्माण किया जाएगा।

भगवान के नित्य अभिषेक से लेकर कमल पुष्प अर्पण तक विशेष व्यवस्था

मंदिर निर्माण की योजना में केवल भव्यता ही नहीं, बल्कि भगवान की नित्य सेवा एवं पूजा परंपरा का भी विशेष ध्यान रखा गया है। भगवान चंद्रमौलेश्वर महादेव के प्रतिदिन अभिषेक के लिए गोवंश की व्यवस्था की जाएगी। इन गोवंश से प्राप्त दूध एवं दही का उपयोग केवल भगवान के अभिषेक एवं सेवा में किया जाएगा। वहीं भगवान को प्रतिदिन कमल पुष्प अर्पित करने के उद्देश्य से मंदिर परिसर में 8×35 फीट का विशेष कमल कुंड भी बनाया जाएगा। बाहर से आने वाले संत-महात्माओं के ठहरने के लिए संत निवास तथा उनके भोजन की व्यवस्था के लिए भोजनशाला का निर्माण भी प्रस्तावित है। इस प्रकार मंदिर परिसर को पूजा-अर्चना के साथ-साथ धार्मिक अनुष्ठान, वैदिक यज्ञ, सत्संग, प्रवचन एवं संत सेवा के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित करने की परिकल्पना की गई है।

> 25 नवंबर को आयोजित होने वाले भूमि पूजन एवं अन्नकूट महोत्सव में अनेक प्रतिष्ठित संत-महात्माओं का सानिध्य प्राप्त होगा। इनमें 24 अवतार मंदिर के अधिष्ठाता जयकरणदास भक्तमाली परमहंस, गिरिजानंद सरस्वती एवं विद्याधाम पीठाधीश्वर चिन्मयानंद सरस्वती के शुभाशीर्वाद एवं पावन उपस्थिति में आयोजन संपन्न होगा।

संत-महात्माओं के सानिध्य में होगा भव्य आयोजन

इसके अतिरिक्त भगवानदास महाराज कटकोदा, रामगोपालदास महाराज पंचकुइया आश्रम इंदौर, रघुनंदनदास महाराज चटवाड़ा, गुरुदेव रोहिताश पाठक अटावदा बेटमा, आचार्य राजेश शर्मा विद्याधाम इंदौर, आचार्य गोपाल शास्त्री काशी विश्वनाथ धाम धरमपुरी तथा आचार्य राजेश शास्त्री 24 अवतार मंदिर सहित अनेक संत-महात्मा उपस्थित रहेंगे। भागवताचार्य गौरव व्यास एवं चंद्रमौलेश्वर महादेव मंदिर कोर्ट देपालपुर के मार्गदर्शन में संपूर्ण आयोजन की तैयारियां की जा रही हैं।

सुबह गणेश पूजन से शुरू होंगे धार्मिक अनुष्ठान

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार बुधवार 25 नवंबर को प्रातः 9:30 से 10:30 बजे तक गणेश पूजन एवं पंचांग कर्म संपन्न होगा। प्रातः 11 बजे संत-महात्माओं का आगमन होगा। इसके पश्चात दीप प्रज्वलन, संत पूजन एवं आशीर्वचन का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। वहीं प्रातः 11:30 से दोपहर 12:30 बजे के मध्य अभिजीत मुहूर्त एवं स्थिर कुंभ लग्न में वैदिक बटुक ब्राह्मणों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ मंदिर का भूमि पूजन संपन्न कराया जाएगा। भूमि पूजन के साथ ही अन्नकूट महोत्सव का आयोजन होगा तथा श्रद्धालुओं के लिए महाप्रसादी वितरण किया जाएगा। अन्नकूट में सभी भक्तों को अपनी श्रद्धा एवं सामर्थ्य के अनुसार सहभागिता करने का अवसर दिया गया है।

भक्तों से सपरिवार शामिल होने की अपील

मंदिर पुनर्निर्माण का यह संकल्प केवल भवन निर्माण तक सीमित नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए सनातन परंपरा, शिव भक्ति और धार्मिक संस्कृति को संरक्षित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है। भक्त परिवार का उद्देश्य चंद्रमौलेश्वर महादेव के इस प्राचीन धाम को ऐसा दिव्य स्वरूप प्रदान करना है, जहां नियमित पूजा-अर्चना के साथ संत सेवा, वैदिक अनुष्ठान एवं आध्यात्मिक गतिविधियां निरंतर संचालित हो सकें।

रंगोली में खिला कमल, विधायक मनोज पटेल की तस्वीर बनी आकर्षण का केंद्र

कार्यकर्ता ने घर पर उकेरी विधायक की आकर्षक रंगोली, मनोज पटेल ने व्हाट्सएप स्टेटस पर साझा कर बढ़ाया उत्साह



संदीप परमार (सेन)
प्रधान संपादक-9755161156
विश्वनाथ समाचार
www.vishwanathsamachar.com

इंदौर। दीपावली और अन्य शुभ अवसरों पर घरों के आंगन में रंगोली सजाने की परंपरा को एक भाजपा कार्यकर्ता ने राजनीतिक रंग देते हुए अनूठे अंदाज में प्रस्तुत किया।

कार्यकर्ता ने अपने घर पर रंगों के माध्यम से देपालपुर विधायक मनोज पटेल की आकर्षक रंगोली तैयार की। इस रंगोली में विधायक मनोज पटेल की तस्वीर के साथ भाजपा के चुनाव चिह्न कमल के फूल को बेहद खूबसूरती से उकेरा गया है। रंगोली में विधायक मनोज पटेल को गुलाबी साफा, सफेद



कुर्ते और लाल दुपट्टे में दर्शाया गया है। वहीं नीचे बड़े आकार में भाजपा का चुनाव चिह्न कमल बनाया गया है। रंगों और कलात्मकता के इस अनूठे संगम ने रंगोली को खास बना दिया। कार्यकर्ता की इस रचनात्मक पहल की चर्चा भी क्षेत्र में हो रही है। खास बात यह रही कि विधायक मनोज पटेल ने कार्यकर्ता द्वारा बनाई गई इस रंगोली को अपने व्हाट्सएप स्टेटस पर भी साझा किया। विधायक के स्टेटस पर रंगोली की तस्वीर आने के बाद यह रचनात्मक प्रयास और अधिक चर्चा में आ गया। राजनीति में जहां कार्यकर्ता अपनी सक्रियता और समर्पण अलग-अलग माध्यमों से प्रदर्शित करते हैं, वहीं इस कार्यकर्ता ने अपनी कला के जरिए विधायक के प्रति सम्मान और जुड़ाव जाहिर किया है। रंगोली के जरिए व्यक्त किया गया यह स्नेह अब सोशल मीडिया पर भी आकर्षण का विषय बन गया है।

फोटो कैप्शनः

कार्यकर्ता द्वारा घर पर बनाई गई विधायक मनोज पटेल की आकर्षक रंगोली, जिसे विधायक ने अपने व्हाट्सएप स्टेटस पर साझा किया।

दैनिक विश्वनाथ समाचार
इंदौर, शुक्रवार 20 नवम्बर 2026

सूखे की मार

प्रतिबंधित बोरिंग का कारोबार बेखौफ जारी!

गौतमपुरा, देपालपुर बेटमा से हातोद गांधीनगर तक दिन-रात दौड़ रहीं बोरिंग मशीनें, प्रशासनिक प्रतिबंध को ठेंगा; किसानों से 3 हजार की जगह 10 हजार रुपए तक वसूली के आरोप

कलेक्टर शिवम वर्मा के आदेशों की जमीनी हकीकत पर उठे सवाल, शिकायतों के बावजूद कार्रवाई नहीं होने से जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका भी संदेह के घेरे में





जीवन डोडिया
विश्वनाथ समाचार
www.vishwanathsamachar.com

इंदौर। इंदौर जिले को सूखाग्रस्त घोषित किए जाने के बाद भूजल संरक्षण और गिरते जलस्तर को नियंत्रित करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने नलकूप खनन पर प्रतिबंध लगाया है। कलेक्टर शिवम वर्मा द्वारा लगाए गए प्रतिबंध के बावजूद जिले के गौतमपुरा, बेटमा, हातोद, गांधीनगर और देपालपुर क्षेत्र में बोरिंग मशीनों का संचालन कथित तौर पर धड़ल्ले से जारी है। हालात यह हैं कि दिन के उजाले से लेकर रात के अंधेरे तक बोरिंग मशीनें खेतों और रिहायशी इलाकों में पहुंचकर नलकूप खनन कर रही हैं। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि आखिर प्रशासनिक प्रतिबंध का पालन कौन करवाएगा? सूखे की स्थिति में भूजल का अनियंत्रित दोहन आने वाले समय में पेयजल संकट को और गंभीर बना सकता है। इसके बावजूद प्रतिबंधित क्षेत्र में बोरिंग मशीनों का लगातार संचालन प्रशासनिक निगरानी और मैदानी अमले की सक्रियता पर सवाल खड़े कर रहा है।

प्रतिबंध के बीच बोरिंग का रेट तीन गुना से ज्यादा!

क्षेत्र में चर्चा है कि प्रतिबंध से पहले किसानों से बोरिंग कराने के नाम पर कथित तौर पर लगभग 3 हजार रुपए तक अतिरिक्त राशि लेकर काम किया जाता था, लेकिन प्रतिबंध लागू होने के बाद यही रकम बढ़कर 10 हजार रुपए तक पहुंचने के आरोप सामने आ रहे हैं। यानी प्रतिबंध का पालन कराने के बजाय कुछ बोरिंग मशीन संचालक इसे अवैध कमाई का अवसर बना रहे हैं। हालांकि इन कथित वसूली के आरोपों की स्वतंत्र जांच होना जरूरी है।

थानों से लेकर राजस्व अमले तक सेटिंग की चर्चा

सबसे गंभीर आरोप यह हैं कि कुछ बोरिंग मशीन संचालकों ने कथित तौर पर मोटी रकम देकर स्थानीय स्तर पर अपनी पकड़ बना रखी है, ताकि उनके वाहनों और मशीनों पर कार्रवाई नहीं हो। क्षेत्र में थाने से लेकर एसडीएम और तहसील स्तर तक कथित सांठगांठ की चर्चाएं भी चल रही हैं। हालांकि इन आरोपों की पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन लगातार हो रहे नलकूप खनन के बीच प्रशासन की चुप्पी कई सवाल खड़े कर रही है। यदि प्रतिबंध के बावजूद मशीनें लगातार चल रही हैं तो आखिर संबंधित अधिकारियों को इसकी जानकारी क्यों नहीं मिल रही?

शिकायतें पहुंचने के बाद भी

कार्रवाई का इंतजार

बताया जा रहा है कि प्रतिबंधित बोरिंग को लेकर कलेक्टर कार्यालय तक लगातार शिकायतें पहुंच रही हैं। इसके बावजूद गौतमपुरा, बेटमा, हातोद, गांधीनगर और देपालपुर क्षेत्र में बोरिंग मशीनों की गतिविधियों पर प्रभावी रोक नजर नहीं आ रही है। यदि शिकायतें प्रशासन तक पहुंच रही हैं तो उनकी जांच, मौके पर निरीक्षण और दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई में देरी क्यों हो रही है? यह सवाल अब किसानों और आम नागरिकों के बीच चर्चा का विषय बनता जा रहा है।

सूखे में भूजल की लूट,

आने वाले समय में कौन भुगतेगा कीमत?

एक ओर शासन-प्रशासन जल संरक्षण, वर्षा जल संचयन और भूजल स्तर बढ़ाने के लिए अभियान चलाने की बात करता है, वहीं दूसरी ओर प्रतिबंध के बावजूद नलकूप खनन जारी रहने की शिकायतें व्यवस्था की वास्तविकता उजागर कर रही हैं। यदि समय रहते इस पर अंकुश नहीं लगाया गया तो आने वाले गर्मी के मौसम में ग्रामीण क्षेत्रों को गंभीर जल संकट का सामना करना पड़ सकता है।

अब सवाल सीधे जिला प्रशासन से

क्या कलेक्टर शिवम वर्मा प्रतिबंधित नलकूप खनन की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए विशेष जांच दल गठित करेंगे? क्या संबंधित क्षेत्रों में संचालित बोरिंग मशीनों की सूची तैयार कर उनके दस्तावेजों और अनुमति की जांच होगी? और यदि किसी अधिकारी-कर्मचारी की मिलीभगत सामने आती है तो क्या उसके विरुद्ध भी कार्रवाई की जाएगी? सूखे की मार झेल रहे इंदौर जिले में भूजल संरक्षण का आदेश केवल कागजों तक सीमित रहेगा या प्रतिबंध तोड़ने वालों पर वास्तव में प्रशासन का शिकंजा कसेगा? अब निगाहें जिला प्रशासन की अगली कार्रवाई पर टिकी हैं।

तदाता सूची में नाम जांचने का एक और मौका,

12 नवंबर से 11 दिसंबर तक मतदान केंद्रों पर होगा फोटोयुक्त सूची का प्रदर्शन

बीएलओ रहेंगे मौजूद, नाम जुड़वाने और त्रुटियों में सुधार के लिए कर सकेंगे आवेदन; निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी सीएस हुड्डा ने मतदाताओं से की अपी





अनिल बाजपेयी
विश्वनाथ समाचार
www.vishwanathsamachar.com

देपालपुर। लोकतंत्र की मजबूती में प्रत्येक पात्र नागरिक की भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मतदाता सूची के सत्यापन की प्रक्रिया संचालित की जा रही है। इसी क्रम में विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 203 देपालपुर के समस्त मतदान केंद्रों पर 12 नवंबर से 11 दिसंबर 2026 तक प्रतिदिन प्रातः 10 बजे से शाम 4 बजे तक फोटोयुक्त मतदाता सूची का प्रदर्शन किया जाएगा। इस दौरान संबंधित मतदान केंद्रों पर बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) उपस्थित रहेंगे, जो मतदाताओं को सूची से संबंधित आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराने के साथ आवेदन प्रक्रिया में भी सहयोग करेंगे। निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी विधानसभा क्षेत्र 203 देपालपुर श्री सीएस हुड्डा ने क्षेत्र के समस्त मतदाताओं से अपील की है कि वे निर्धारित अवधि में अपने मतदान केंद्र पर पहुंचकर मतदाता सूची में अपना नाम अनिवार्य रूप से जांच लें। उन्होंने कहा कि केवल पूर्व में मतदान कर लेने या वोटर आईडी कार्ड उपलब्ध होने के आधार पर यह मान लेना उचित नहीं है कि वर्तमान मतदाता सूची में भी नाम दर्ज है। इसलिए प्रत्येक मतदाता को नवीनतम सूची में अपना नाम और अन्य विवरण सत्यापित करना चाहिए।

नाम, पता और आयु की जानकारी का करें सत्यापन

श्री हुड्डा ने मतदाताओं से विशेष रूप से अपील की है कि मतदाता सूची में अपना नाम, पता, आयु एवं अन्य व्यक्तिगत विवरण ध्यानपूर्वक जांचें। यदि किसी पात्र नागरिक का नाम सूची में दर्ज नहीं है तो नाम जुड़वाने के लिए फॉर्म-6 भरकर आवेदन करें। वहीं, नाम अथवा अन्य विवरण में किसी प्रकार की त्रुटि होने पर निर्धारित प्रपत्र के माध्यम से सुधार के लिए आवेदन किया जा सकता है।

18 वर्ष पूर्ण करने वाले युवा भी करा सकेंगे पंजीयन

नए मतदाता के रूप में पंजीयन कराने के लिए पात्र युवाओं को रंगीन पासपोर्ट साइज फोटो, निवास संबंधी प्रमाण, आधार कार्ड (यदि उपलब्ध हो), जन्मतिथि अथवा आयु संबंधी प्रमाण तथा मोबाइल नंबर जैसे आवश्यक दस्तावेज साथ रखने की सलाह दी गई है। 18 वर्ष या उससे अधिक आयु के पात्र नागरिक मतदाता पंजीयन के लिए आवेदन कर सकते हैं।

घर बैठे ऑनलाइन आवेदन की सुविधा

मतदाता सूची में नाम जुड़वाने, विवरण में सुधार तथा निर्वाचन संबंधी अन्य सेवाओं के लिए ऑनलाइन सुविधा भी उपलब्ध है। इसके लिए भारत निर्वाचन आयोग के आधिकारिक पोर्टल https://voters.eci.gov.in/ अथवा वोटर हेल्पलाइन ऐप के माध्यम से आवेदन किया जा सकता है।

पात्र मतदाता अपने अधिकार के प्रति रहें जागरूक

निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी सीएस हुड्डा ने कहा कि मतदाता सूची में नाम दर्ज होना लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भागीदारी की पहली और सबसे महत्वपूर्ण शर्त है। कोई भी पात्र नागरिक जानकारी के अभाव या लापरवाही के कारण अपने मताधिकार से वंचित न रहे, इसके लिए सभी मतदाताओं को समय रहते सूची का अवलोकन करना चाहिए। उन्होंने नागरिकों, सामाजिक संगठनों एवं जनप्रतिनिधियों से भी अपील की कि इस महत्वपूर्ण सूचना को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाएं, ताकि प्रत्येक पात्र मतदाता का नाम मतदाता सूची में सुनिश्चित हो सके। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची में अपना नाम अवश्य जांचें, आवश्यक सुधार समय पर कराएं और लोकतंत्र को मजबूत बनाने में अपनी जिम्मेदारी निभाएं।

देपालपुर : नगर पालिका की आहट

2027 के चुनावी समीकरणों पर मंथन तेज

चिंटू वर्मा के कोरोना काल के सेवा कार्यों से लेकर स्वच्छता अभियान तक की सक्रियता फिर चर्चा में; भाजपा से दीप्ति चिंटू वर्मा तो कांग्रेस से बिंदु महेंद्र मकवाना के नाम पर राजनीतिक हलचल



संदीप परमार (सेन)
प्रधान संपादक-9755161156
विश्वनाथ समाचार
www.vishwanathsamachar.com

इंदौर। विकास के बदलते स्वरूप और नगरीय विस्तार की संभावनाओं के बीच देपालपुर की राजनीति में आगामी नगरीय निकाय चुनाव को लेकर हलचल तेज होने लगी है। नगर परिषद को नगर पालिका में उन्नत किए जाने की चर्चाओं और आसपास के गांवों को नगरीय सीमा में शामिल करने की संभावनाओं ने राजनीतिक समीकरणों को नया आयाम दे दिया है। वर्ष 2027 में प्रस्तावित नगरीय निकाय चुनाव को देखते हुए दोनों प्रमुख राजनीतिक दलों में संभावित अध्यक्ष पद के दावेदारों के नामों पर चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है। इस पूरे घटनाक्रम में भाजपा की ओर से दीप्ति चिंटू वर्मा और कांग्रेस की ओर से श्रीमती बिंदु महेंद्र मकवाना के नाम विशेष रूप से चर्चा में हैं।

कोरोना काल से राजनीतिक सक्रियता तक चिंटू वर्मा की पृष्ठभूमि

चिंटू वर्मा की राजनीतिक और सामाजिक सक्रियता की चर्चा कोरोना संक्रमण के कठिन दौर से शुरू होती है। लॉकडाउन के दौरान जब आम परिवारों के सामने खाद्यान्न और स्वास्थ्य संबंधी संकट खड़ा था, तब उन्होंने जरूरतमंदों तक राशन पहुंचाने के साथ ऑक्सीजन सिलेंडर उपलब्ध कराने में भी सक्रिय भूमिका निभाई थी। उस दौर के सेवा कार्यों ने उन्हें स्थानीय स्तर पर सामाजिक गतिविधियों से जोड़ने में भूमिका निभाई।

वर्ष 2021 में

नगरीय निकाय चुनाव की तैयारियों के दौरान उन्होंने ग्राउंड जीरो पर व्यापक जनसंपर्क और चुनावी कैंपेनिंग की। संगठनात्मक गतिविधियों में सक्रियता के बाद उन्हें भाजपा जिला अध्यक्ष की जिम्मेदारी भी मिली, जिस पर उन्होंने लगभग एक वर्ष तक कार्य किया। गौरतलब है कि देपालपुर में नगरीय निकाय चुनाव जुलाई 2022 में संपन्न हुए थे। ऐसे में वर्ष 2021 से शुरू हुई चुनावी सक्रियता और उसके बाद की संगठनात्मक भूमिका को स्थानीय राजनीति में चिंटू वर्मा की पृष्ठभूमि के महत्वपूर्ण घटनाक्रम के रूप में देखा जाता है।



स्वच्छता सर्वेक्षण में भी सामने आई सक्रियता, इंदौर-देपालपुर की उपलब्धि चर्चा में

चिंटू वर्मा की गतिविधियों का एक अन्य महत्वपूर्ण पहलू स्वच्छता अभियान से जुड़ा रहा है। स्वच्छता सर्वेक्षण 2025-26 के अंतर्गत हर घर तक डस्टबिन पहुंचाने के अभियान में भी उनकी सक्रियता का उल्लेख किया जा रहा है। घर-घर डस्टबिन पहुंचाने का उद्देश्य नागरिकों को कचरा पृथक्करण और व्यवस्थित कचरा प्रबंधन के प्रति जागरूक करना था। इसी क्रम में स्वच्छता की जोड़ी श्रेणी के अंतर्गत नगर निगम इंदौर और नगर परिषद देपालपुर ने राष्ट्रीय स्तर पर दूसरा स्थान हासिल किया। इस उपलब्धि के बाद स्थानीय स्तर पर यह चर्चा भी सामने आई कि स्वच्छता को लेकर किए गए जनसंपर्क, जागरूकता और कैंपेनिंग प्रयासों ने इस अभियान को जनभागीदारी से जोड़ने में योगदान दिया। हालांकि किसी एक व्यक्ति के प्रयास को उपलब्धि का एकमात्र कारण नहीं माना जा सकता, लेकिन स्थानीय स्वच्छता अभियान में चिंटू वर्मा की सक्रियता को उनकी सामाजिक और संगठनात्मक कार्यशैली के एक अन्य महत्वपूर्ण पहलू के रूप में देखा जा रहा है।

नगर पालिका विस्तार से बदल सकता है पूरा राजनीतिक भूगोल

देपालपुर के विकास के साथ नगर पालिका गठन की संभावनाएं भी राजनीतिक चर्चा के केंद्र में हैं। बिरगोदा, बनेड़िया, कीरखेड़ा, तकीपुरा, गिरोदा और बड़ौलीहौज सहित लगभग पांच किलोमीटर के दायरे में आने वाले गांवों को प्रस्तावित नगरीय सीमा में शामिल करने की चर्चाएं चल रही हैं। यदि यह विस्तार प्रशासनिक स्वीकृति प्राप्त करता है तो देपालपुर का राजनीतिक और भौगोलिक स्वरूप व्यापक रूप से बदल सकता है। नए क्षेत्र जुड़ने से मतदाता संख्या, वार्डों की संरचना, परिसीमन और अध्यक्ष पद के चुनावी समीकरणों पर भी प्रभाव पड़ना स्वाभाविक है। ऐसे में आगामी चुनाव केवल मौजूदा नगर क्षेत्र तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि विस्तारित नगरीय क्षेत्र के नेतृत्व और प्रतिनिधित्व का भी महत्वपूर्ण प्रश्न बनेगा।

भाजपा में दीप्ति चिंटू वर्मा का नाम चर्चा के केंद्र में

भाजपा की संभावित दावेदारी में दीप्ति चिंटू वर्मा का नाम प्रमुखता से सामने आ रहा है। उनके नाम के साथ चिंटू वर्मा की सामाजिक सक्रियता, कोरोना काल में किए गए राहत कार्य, संगठनात्मक अनुभव और स्वच्छता अभियान में भागीदारी जैसे पहलुओं को जोड़कर देखा जा रहा है। राजनीतिक चर्चाओं में यह भी माना जा रहा है

वर्ष 2021-22

»» के दौरान तैयार हुआ संगठनात्मक और जनसंपर्क का आधार अब 2027 के चुनावी परिदृश्य में फिर प्रासंगिक हो सकता है। दीप्ति चिंटू वर्मा की संभावित दावेदारी इसी राजनीतिक पृष्ठभूमि के चलते चर्चा में बनी हुई है। हालांकि भाजपा में अध्यक्ष पद के लिए अन्य नाम भी सामने आ रहे हैं। इनमें पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष पप्पू यादव, वरिष्ठ पार्षद अनिल धाकड़, रवि चौरसिया और गोपाल कटेसरिया शामिल हैं। स्थानीय राजनीतिक चर्चाओं के अनुसार दीप्ति चिंटू वर्मा और अनिल धाकड़ की ओर से भी अध्यक्ष पद की संभावित दावेदारी को लेकर जनसंपर्क गतिविधियां शुरू किए जाने की बातें सामने आ रही हैं।

कांग्रेस में बिंदु महेंद्र मकवाना की संभावित दावेदारी पर नजर

दूसरी ओर कांग्रेस की राजनीति में श्रीमती बिंदु महेंद्र मकवाना का नाम भी अध्यक्ष पद के संभावित दावेदारों में प्रमुखता से लिया जा रहा है। उनके साथ संतोष ठाकुर और जितेंद्र ठाकुर के नाम भी राजनीतिक चर्चाओं में शामिल हैं। बिंदु महेंद्र मकवाना की संभावित दावेदारी को लेकर स्थानीय कांग्रेस की राजनीतिक गतिविधियों पर भी नजरें टिकी हुई हैं।नगर पालिका का संभावित विस्तार और नए क्षेत्रों का जुड़ना कांग्रेस के लिए भी अपने जनाधार तथा नेतृत्व की रणनीति को नए सिरे से परखने का अवसर बन सकता है। ऐसे में आगामी चुनाव के मद्देनजर उनका नाम चर्चा में आना स्थानीय राजनीतिक परिदृश्य का एक महत्वपूर्ण पहलू है।

2027 की तैयारी या 2021-22 के राजनीतिक आधार की वापसी?

देपालपुर की राजनीति में इस समय सबसे बड़ा सवाल यही है कि नगर पालिका गठन और संभावित सीमा विस्तार के बाद नेतृत्व का चेहरा कौन होगा?

भाजपा और कांग्रेस दोनों ही दलों में संभावित दावेदारों के नाम सामने आने लगे हैं। एक ओर दीप्ति चिंटू वर्मा की संभावित दावेदारी के साथ चिंटू वर्मा के पूर्व सामाजिक, संगठनात्मक और स्वच्छता अभियान से जुड़े कार्य चर्चा में हैं, वहीं कांग्रेस की ओर से बिंदु महेंद्र मकवाना का नाम भी राजनीतिक विमर्श में अपनी जगह बना रहा है। फिलहाल नगर पालिका गठन, सीमा विस्तार, वार्ड परिसीमन, आरक्षण और राजनीतिक दलों की आधिकारिक चयन प्रक्रिया जैसे कई महत्वपूर्ण पड़ाव बाकी हैं। इन सभी प्रक्रियाओं के बाद ही अध्यक्ष पद की वास्तविक तस्वीर स्पष्ट होगी। लेकिन इतना तय है कि देपालपुर का बदलता नगरीय स्वरूप अब राजनीतिक गतिविधियों को भी नई दिशा दे रहा है।

वर्ष 2027

चुनाव केवल अध्यक्ष पद का चुनाव नहीं, बल्कि विस्तारित देपालपुर के भविष्य के नेतृत्व और विकास की दिशा तय करने वाला महत्वपूर्ण राजनीतिक पड़ाव साबित हो सकता है।

दैनिक विश्वनाथ समाचार
इंदौर, शुक्रवार 20 नवम्बर 2026

इंदौर में मीट दुकानों पर निगम का शिकंजा, 5 दुकानें सील; 90 हजार रुपए से अधिक का मीट अपशिष्ट शुल्क वसूला

सफाई व्यवस्था में लापरवाही मिलने पर निगम की सख्ती, शांतिपथ मटन मार्केट में चालानी कार्रवाई; कड़ाऊघाट, हवा बंगला और विदुर नगर में भी किया निरीक्षण

विश्वनाथ समाचार
www.vishwanathsamachar.com

इंदौर। शहर की स्वच्छता व्यवस्था को दुरुस्त बनाए रखने और मीट दुकानों से निकलने वाले अपशिष्ट के उचित प्रबंधन को लेकर नगर निगम ने सख्त रुख अपनाया है। आयुक्त क्षितिज सिंघल के निर्देश पर निगम की मीट अपशिष्ट प्रबंधन टीम ने गुरुवार को शहर के विभिन्न क्षेत्रों में संचालित मीट, मछली और चिकन दुकानों का निरीक्षण कर कार्रवाई की। इस दौरान सफाई एवं अन्य व्यवस्थाओं में खामियां मिलने पर पांच दुकानों को सील कर दिया गया। वहीं, बकाया मीट अपशिष्ट शुल्क के रूप में 90 हजार रुपए से अधिक की वसूली भी की गई। मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. उत्तम यादव ने बताया कि निगम आयुक्त के निर्देशानुसार शहर में मीट दुकानों पर स्वच्छता मानकों के पालन और अपशिष्ट के व्यवस्थित निस्तारण को लेकर विशेष निरीक्षण अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में निगम की टीम ने शांतिपथ मटन मार्केट, कड़ाऊघाट, हवा बंगला



और विदुर नगर सहित विभिन्न क्षेत्रों में दुकानों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कई दुकानों पर सफाई और अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं पाई गईं। इस पर निगम अधिकारियों ने सख्ती दिखाते हुए पांच दुकानों को सील करने की कार्रवाई की।

शांतिपथ मटन मार्केट में चालानी कार्रवाई

निगम की मीट अपशिष्ट प्रबंधन टीम ने मीट प्रभारी राजेश पतरोड के निर्देशन में विभिन्न क्षेत्रों में दुकानों की जांच की। इस दौरान शांतिपथ मटन मार्केट की दुकानों पर सफाई व्यवस्था में कमी पाए जाने पर 1,500 रुपए की चालानी कार्रवाई की गई। साथ ही जिन दुकानदारों पर मीट अपशिष्ट शुल्क बकाया था, उनसे नियमानुसार 90 हजार रुपए से अधिक की राशि वसूल की गई।

स्वच्छता व्यवस्था से समझौता नहीं करेगा निगम

नगर निगम द्वारा की गई इस कार्रवाई को शहर की स्वच्छता व्यवस्था बनाए रखने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। मीट और मछली दुकानों से निकलने वाले अपशिष्ट का उचित निस्तारण नहीं होने पर गंदगी, दुर्गंध और संक्रमण जैसी समस्याएं उत्पन्न होने की आशंका रहती है। ऐसे में निगम अब दुकानदारों से स्वच्छता संबंधी नियमों का पालन कराने और अपशिष्ट प्रबंधन व्यवस्था को प्रभावी बनाने पर जोर दे रहा है। निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि शहर की सफाई व्यवस्था में लापरवाही और निर्धारित नियमों की अनदेखी करने वाले दुकानदारों के विरुद्ध निरीक्षण एवं कार्रवाई का सिलसिला जारी रहेगा।

देपालपुर में अक्षय नवमी पर आस्था का महासंगम, मंदिरों में सजे छप्पन भोग और 101 पकवानों के अन्नकूट

विश्वनाथ समाचार
www.vishwanathsamachar.com



देपालपुर। कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की अक्षय नवमी पर देपालपुर नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में धर्म, आस्था और परंपरा का अद्भुत संगम देखने को मिला। नगर के प्राचीन मंदिरों में भगवान का आकर्षक एवं मनमोहक श्रृंगार किया गया। कहीं भगवान को छप्पन भोग अर्पित किए गए तो कहीं 101 प्रकार के पकवानों से अन्नकूट सजाया गया। मंदिरों में सजे व्यंजनों के दर्शन और प्रसादी प्राप्त करने के लिए सुबह से ही श्रद्धालुओं का पहुंचना शुरू हो गया था। आरती और पूजा-अर्चना के बाद हजारों भक्तों ने अन्नकूट महाप्रसादी का लाभ लिया। पूरे नगर में धार्मिक उल्लास और भक्तिमय वातावरण बना रहा। नगर के राधा-कृष्ण मंदिर, राम मंदिर, माली मोहल्ला स्थित मंदिर, हनुमानगढ़ी स्थित 24 अवतार मंदिर सहित विभिन्न देवालयों में विशेष धार्मिक आयोजन हुए। मंदिरों में आकर्षक सजावट के साथ भगवान का विशेष श्रृंगार किया गया। अन्नकूट के रूप में तरह-तरह के पकवानों की साज-सज्जा श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रही। बगाना मोहल्ले के राधा-कृष्ण मंदिर में सजा छप्पन भोग- नगर के बगाना मोहल्ला स्थित राधा-कृष्ण मंदिर में दोपहर 12:30 बजे भगवान को छप्पन भोग अर्पित किया गया। इस अवसर पर मंदिर में विशेष सजावट की गई और भगवान का मनमोहक श्रृंगार किया गया। ढोल की गूंज और भक्तिमय वातावरण के बीच महाआरती संपन्न हुई। इसके बाद बड़ी संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं ने भगवान के दर्शन कर प्रसादी ग्रहण की। मंदिर परिसर में दिनभर भक्तों की आवाजाही बनी रही।

बच्चों की आवाज बनेगी सामाजिक बदलाव की ताकत, बाल पंचायत के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने ली शपथ

विश्वनाथ समाचार
www.vishwanathsamachar.com

भोपाल। बच्चों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक बनाने, उनकी आवाज को सामाजिक और प्रशासनिक मंचों तक पहुंचाने तथा नेतृत्व क्षमता विकसित करने की दिशा में भोपाल में राज्य स्तरीय विमर्श का आयोजन किया गया। अंतरराष्ट्रीय बाल अधिकार दिवस की पूर्व संध्या पर गुरुवार को पर्यावरण परिसर स्थित EPCO ऑडिटोरियम में 'बच्चों की आकांक्षाएं, बच्चों की आवाज' विषय पर आयोजित इस कार्यक्रम में बच्चों के अधिकार, उनकी भागीदारी, लैंगिक समानता और सामाजिक बदलाव में बाल नेतृत्व की भूमिका पर विस्तार से विचार-विमर्श हुआ।

इस अवसर पर वर्ष 2026-28 के लिए बाल पंचायत की नवनिर्वाचित समिति का शपथ ग्रहण समारोह भी आयोजित किया गया। कार्यक्रम में भोपाल सहित प्रदेश के विभिन्न जिलों का प्रतिनिधित्व करने वाले बच्चों और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। मध्यप्रदेश पुलिस के उप पुलिस महानिरीक्षक (सामुदायिक पुलिसिंग) डॉ. विनीत कपूर विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि बाल पंचायत और बच्चों के समूहों से जुड़ने वाले प्रत्येक बच्चे में अपने आसपास सकारात्मक बदलाव लाने की क्षमता है। ये बच्चे केवल अपने अधिकारों के प्रति जागरूक नागरिक ही नहीं, बल्कि समाज में परिवर्तन के वाहक भी हैं।

डॉ. विनीत कपूर ने कहा कि बाल पंचायत में नेतृत्व की जिम्मेदारी मिलने के बाद बच्चों की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। उन्हें अपने साथियों को प्रेरित करने के साथ परिवार और समुदाय को भी अपने प्रयासों का हिस्सा बनाना चाहिए। बच्चों को चाहिए कि वे अपने माता-पिता और अभिभावकों को अपनी गतिविधियों के महत्व से अवगत कराएं तथा अपने आसपास की समस्याओं को समझकर उनके समाधान की दिशा में पहल करें। उन्होंने कहा कि बच्चों की आवाज को महत्व देना और निर्णय प्रक्रिया में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करना एक बेहतर एवं संवेदनशील समाज के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

पीथमपुर में गूंजा वीरांगना लक्ष्मीबाई का जयघोष, 198वीं जयंती पर उमड़ा बुंदेलखंड समाज; शौर्य और बलिदान को किया नमन

बुंदेलखंड संस्कृति मंच के नेतृत्व में राम रामेश्वर मंदिर में हुआ भव्य आयोजन, सैकड़ों समाजजनों ने लिया हर वर्ष 19 नवंबर को जयंती मनाने का संकल्प; भारत माता की आरती कर देशभक्ति का दिया संदेश

विश्वनाथ समाचार
www.vishwanathsamachar.com



पीथमपुर। अदम्य साहस, अद्वितीय शौर्य और मातृभूमि की रक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाली महान वीरांगना महारानी लक्ष्मीबाई की 198वीं जन्म जयंती पीथमपुर में गुरुवार को गौरव, उत्साह और देशभक्ति के वातावरण में मनाई गई। बुंदेलखंड संस्कृति मंच पीथमपुर–इंदौर क्षेत्र के नेतृत्व में राम रामेश्वर मंदिर में आयोजित इस भव्य कार्यक्रम में बुंदेलखंड समाज के सैकड़ों लोग एकत्रित हुए। सभी ने वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित कर उनके साहस, संघर्ष और राष्ट्रभक्ति को नमन किया। कार्यक्रम के दौरान पूरा परिसर वीरांगना लक्ष्मीबाई के जयघोष और देशभक्ति के भाव से गुंजायमान रहा। समाजजनों ने कहा कि रानी लक्ष्मीबाई भारतीय इतिहास की ऐसी महान वीरांगना हैं, जिन्होंने अंग्रेजी हुकूमत के सामने कभी घुटने नहीं टेके। उनका अदम्य साहस और मातृभूमि के प्रति समर्पण आज भी देश की बेटियों और युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है।

पहली बार एक मंच पर एकजुट हुआ बुंदेलखंड समाज- इस आयोजन की विशेष उपलब्धि यह रही कि पीथमपुर में पहली बार बुंदेलखंड समाज को एक संगठन के माध्यम से एकजुट कर इतने बड़े स्तर पर वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई की जन्म जयंती मनाई गई। बड़ी संख्या में समाजजनों की सहभागिता ने सामाजिक एकता और सांस्कृतिक गौरव की मजबूत तस्वीर प्रस्तुत की। आयोजन में समाजजनों ने संकल्प लिया कि आने वाले वर्षों में भी प्रत्येक 19 नवंबर को महारानी लक्ष्मीबाई की जन्म जयंती इसी उत्साह, गरिमा और सम्मान के साथ मनाई जाएगी। इसके साथ ही नई पीढ़ी को बुंदेलखंड के गौरवशाली इतिहास, महापुरुषों और वीरांगनाओं के अद्वितीय योगदान से परिचित कराने के लिए निरंतर प्रयास किए जाएंगे।

भारत माता की आरती के साथ राष्ट्रभक्ति का संदेश- कार्यक्रम के अंत में भारत माता की आरती की गई। उपस्थित समाजजनों ने राष्ट्र की एकता, अखंडता और गौरवशाली संस्कृति के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। आयोजन ने न केवल वीरांगना लक्ष्मीबाई के शौर्य और बलिदान को स्मरण कराया, बल्कि बुंदेलखंड समाज को एकजुट करने और सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाने का संदेश भी दिया।

देवउठनी एकादशी के साथ गूंजेगी शहनाइयां,

21 नवंबर से शुरू होंगे मांगलिक आयोजनों के शुभ मुहूर्त



प्रकाश वर्मा
विश्वनाथ समाचार
WWW.vishwanathsamachar.com

चार माह की योगनिद्रा से जागेंगे भगवान विष्णु, विवाह सीजन को लेकर बाजारों में बढ़ने लगी रौनक; मैरिज गार्डन, टेंट, कैटरर्स और बैंड-बाजे की बुकिंग तेज





इंदौर/देपालपुर। चार माह के चातुर्मास के विराम के बाद शुक्रवार को देवउठनी एकादशी के साथ ही मांगलिक आयोजनों का सिलसिला शुरू होने जा रहा है। भगवान विष्णु के योगनिद्रा से जागने के साथ ही विवाह, गृह प्रवेश सहित अन्य शुभ कार्यों की शुरुआत होगी। देवउठनी एकादशी के बाद 21 नवंबर से विवाह के शुभ मुहूर्त प्रारंभ हो जाएंगे। नवंबर और दिसंबर में विवाह की सीमित शुभ तिथियां होने के कारण जिन परिवारों में शादियां तय हैं, वहां तैयारियां जोर-शोर से शुरू हो गई हैं। इसका असर अब बाजारों में भी दिखाई देने लगा है। त्योहारी सीजन के बाद अब व्यापारियों को विवाह सीजन से अच्छी ग्राहकी की उम्मीद है। कपड़ा, सराफा, इलेक्ट्रॉनिक्स, बर्तन, फर्नीचर और सजावटी सामान की दुकानों पर आगामी दिनों में खरीदारी बढ़ने की संभावना है। विवाह समारोहों में दूल्हा-दुल्हन के परिधान, आभूषण, उपहार, घर-गृहस्थी का सामान और आयोजन से जुड़ी व्यवस्थाओं के लिए परिवारों ने बजट बनाना शुरू कर दिया है।

नवंबर में चार, दिसंबर में सात विवाह मुहूर्त

पंचांग के अनुसार नवंबर माह में 21, 24, 25 और 26 नवंबर को विवाह के शुभ मुहूर्त हैं। वहीं दिसंबर माह में 2, 3, 4, 5, 6, 11 और 12 दिसंबर को विवाह के लिए शुभ तिथियां रहेंगी। सीमित मुहूर्त होने के चलते इन तारीखों पर विवाह समारोहों की तैयारियां पहले से ही तेज हो गई हैं। मैरिज गार्डन और अन्य आयोजन स्थलों की बुकिंग



को लेकर भी परिवार सक्रिय हैं।

बाजारों में लौटेगी रौनक, कारोबारियों को अच्छी ग्राहकी की उम्मीद

विवाह सीजन शुरू होने के साथ ही बाजारों में भी हलचल बढ़ने लगी है। शादी वाले परिवारों द्वारा कपड़े, सोने-चांदी के आभूषण, फर्नीचर, बर्तन, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और उपहारों की खरीदारी की जा रही है। वहीं मैरिज गार्डन, टेंट हाउस, कैटरर्स, हलवाई, बैंड-बाजा संचालकों और डेकोरेशन से जुड़े कारोबारियों के पास भी बुकिंग का सिलसिला शुरू हो गया है। व्यापारियों को उम्मीद है कि आगामी एक माह तक विवाह आयोजनों के चलते बाजार में अच्छी ग्राहकी रहेगी। त्योहारी खरीदारी के बाद विवाह सीजन व्यापार के लिए एक और बड़ा अवसर लेकर आया है।

गांवों में भी सुनाई देने लगी शहनाइयों की गूंज

देवउठनी एकादशी से पहले ही ग्रामीण क्षेत्रों में विवाह आयोजनों की हलचल दिखाई देने लगी है। गांवों में शादी वाले परिवारों के यहां तैयारियां शुरू हो गई हैं। गुरुवार को भी एक विवाह समारोह के सिलसिले में बैंड-बाजे की धुन सुनाई दी। डीजे और साउंड के साथ परिवार के सदस्य माता पूजन के लिए जाते नजर आए। पारंपरिक रस्मों के साथ शुरू हुई इन तैयारियों ने गांवों में शादी-ब्याह के माहौल की रौनक बढ़ा दी है। चातुर्मास की समाप्ति के साथ ही अब घर-आंगन में मांगलिक गीत गूंजेंगे, बाजारों में खरीदारी की चहल-पहल बढ़ेगी और बैंड-बाजे की धुन के बीच विवाह समारोहों की रौनक दिखाई देगी। देवउठनी एकादशी से शुरू होने वाला यह विवाह सीजन व्यापारियों से लेकर शादी वाले परिवारों तक के लिए उत्साह और खुशियों का नया दौर लेकर आ रहा है।

बाल विवाह और ऑनलाइन बाल यौन शोषण पर शिकंजा कसने की तैयारी, रोकथाम में मध्यप्रदेश पुलिस निभाएगी अहम भूमिका

विश्वनाथ समाचार
www.vishwanathsamachar.com

भोपाल। बच्चों का बचपन सुरक्षित रखने और उनके अधिकारों के संरक्षण को लेकर मध्यप्रदेश पुलिस अब बाल विवाह, बाल यौन शोषण और ऑनलाइन अपराधों के खिलाफ जनजागरूकता के साथ सक्रिय भूमिका निभाएगी। इसके लिए सामुदायिक पुलिसिंग को प्रभावी माध्यम बनाते हुए गांवों, कस्बों और शहरी क्षेत्रों में स्थानीय स्तर पर संवाद, जागरूकता और विभिन्न विभागों के बीच समन्वय मजबूत किया जाएगा। बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीतियों से लेकर इंटरनेट पर बच्चों के यौन शोषण और आपत्तिजनक सामग्री के प्रसार तक की चुनौतियों पर गंभीरता से विचार करते हुए स्पष्ट किया गया कि केवल कानूनी कार्रवाई से इन अपराधों पर प्रभावी अंकुश नहीं लगाया जा सकता, बल्कि समाज की भागीदारी भी अनिवार्य है। इसी उद्देश्य से मध्यप्रदेश बाल अधिकार संरक्षण आयोग एवं इंडिया चाइल्ड प्रोटेक्शन (ICP) के संयुक्त तत्वावधान में भोपाल स्थित आर.सी.वी.पी. नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी, शाहपुरा में एक दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला का मुख्य विषय बाल विवाह की समाप्ति तथा बाल यौन शोषण एवं शोषण सामग्री (CSEAM) की रोकथाम रहा। इसमें पुलिस, प्रशासन, बाल संरक्षण से जुड़े विभागों, विधिक संस्थाओं और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने बच्चों की सुरक्षा से जुड़ी चुनौतियों और उनके समाधान पर विस्तार से मंथन किया।

कार्यशाला की अध्यक्षता मध्यप्रदेश बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष डॉ. निवेदिता शर्मा ने की। उन्होंने कहा कि बच्चों के अधिकारों की रक्षा के लिए कानूनों का निर्माण ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनका प्रभावी क्रियान्वयन और समाज के प्रत्येक वर्ग में जागरूकता पैदा करना भी जरूरी है।

पीथमपुर में 2 करोड़ से बनेगी सर्विस रोड, गुडलक चौराहे से नायरा पंप तक आसान होगा सफर

नगर पालिका ने शुरू कराई सड़क निर्माण परियोजना, भूमिपूजन के साथ कार्य का शुभारंभ; लंबे समय से यातायात सुधार की उठ रही थी मांग, वाहन चालकों और स्थानीय रहवासियों को मिलेगी राहत

विश्वनाथ समाचार
www.vishwanathsamachar.com

पीथमपुर। शहर की यातायात व्यवस्था को सुगम और व्यवस्थित बनाने की दिशा में नगर पालिका ने महत्वपूर्ण पहल की है। गुडलक चौराहे से सीसी पावर चौराहे तक प्रस्तावित सर्विस रोड निर्माण का रास्ता साफ हो गया है। करीब 2 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाली इस सड़क परियोजना का बुधवार को भूमिपूजन कर निर्माण कार्य की शुरुआत की गई। इस मार्ग पर लंबे समय से बेहतर सड़क और सुचारु आवागमन की आवश्यकता महसूस की जा रही थी। सर्विस रोड बनने से क्षेत्र के



वाहन चालकों और स्थानीय रहवासियों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। नगर पालिका की इस परियोजना को शहर के आधारभूत ढांचे को मजबूत करने और यातायात व्यवस्था में सुधार की दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। गुडलक चौराहे से नायरा पंप तक सर्विस रोड विकसित होने से मुख्य मार्ग पर वाहनों के आवागमन को अधिक व्यवस्थित बनाने में मदद मिलेगी। साथ ही स्थानीय स्तर पर आने-जाने वाले लोगों को भी बेहतर सड़क सुविधा उपलब्ध हो सकेगी।

लंबे समय से महसूस की जा रही थी जरूरत- गुडलक चौराहे से सीसी पावर चौराहे तक का मार्ग शहर के महत्वपूर्ण आवागमन क्षेत्रों में शामिल है। यहां से प्रतिदिन बड़ी संख्या में वाहनों की आवाजाही होती है। ऐसे में सर्विस रोड के अभाव में वाहन चालकों को असुविधाओं का सामना करना पड़ता था। सड़क निर्माण की मांग लंबे समय से उठ रही थी।

अब नगर पालिका द्वारा करीब 2 करोड़ रुपए की स्वीकृत लागत से इस दिशा में कदम उठाए जाने से क्षेत्रवासियों में राहत की उम्मीद जगी है।

भूमिपूजन कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि रहे मौजूद

निर्माण कार्य के भूमिपूजन अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष सेवती सुरेश पटेल, प्रेम पाटीदार, जाफिर कुरैशी, डॉ. हेमंत हीरोले सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। भूमिपूजन के साथ ही परियोजना के निर्माण की प्रक्रिया आगे बढ़ाई गई।

यातायात व्यवस्था को मिलेगी नई दिशा

सर्विस रोड का निर्माण पूरा होने के बाद इस मार्ग पर आवागमन अधिक सुविधाजनक और व्यवस्थित होने की संभावना है। विशेष रूप से स्थानीय रहवासियों, व्यापारियों और नियमित रूप से इस मार्ग का उपयोग करने वाले वाहन चालकों को इसका लाभ मिलेगा। बेहतर सड़क सुविधा से क्षेत्र की कनेक्टिविटी भी मजबूत होगी। नगर पालिका की करीब 2 करोड़ रुपए की यह परियोजना केवल सड़क निर्माण तक सीमित नहीं है, बल्कि शहर की यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। अब क्षेत्रवासियों को उम्मीद है कि निर्माण कार्य निर्धारित समयसीमा में गुणवत्ता के साथ पूरा होगा, ताकि उन्हें जल्द ही बेहतर आवागमन सुविधा का लाभ मिल सके।

विश्वनाथ समाचार की एक खबर ने हिला दिया भू-माफिया तंत्र!

नूतन नगर में गरजा प्रशासन का बुलडोजर, छह बीघा अवैध कॉलोनी पर बड़ी कार्रवाई

गुरुवार को अखबार ने उजागर किया था गरीबों के आशियानों के नाम पर कथित अवैध कारोबार का खेल, 12 से 20 लाख रुपए तक में बेचे गए मकान; दूसरे ही दिन प्रशासन पहुंचा मौके पर, कॉलोनी के चारों ओर खोदे गड्ढे

अब सिर्फ बुलडोजर कार्रवाई नहीं, कथित भू-माफियाओं पर एफआईआर और लाखों के लेनदेन की जांच की मांग; जिन परिवारों ने जीवनभर की कमाई लगाई, उनके भविष्य पर भी सवाल



अभिषेक खंडेलवाल

विश्वनाथ समाचार

www.vishwanathsamachar.com

पीथमपुर। जब खबर में दम हो और मुद्दा जनहित से जुड़ा हो तो उसका असर भी दिखाई देता है। पीथमपुर के सेक्टर-1 स्थित नूतन नगर में कथित अवैध कॉलोनी और निर्माणों का मामला इसका उदाहरण बन गया है। विश्वनाथ समाचार ने गुरुवार को अपनी खबर के माध्यम से नूतन नगर में चल रहे कथित अवैध प्लॉटिंग और मकानों की खरीद-बिक्री के मामले को प्रमुखता से उजागर किया था। खबर में सामने आया था कि करीब छह बीघा जमीन पर कॉलोनी विकसित कर गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों को 12 लाख से लेकर 20 लाख रुपए तक में मकान बेचे जाने के आरोप हैं। खबर प्रकाशित होने के अगले ही दिन शुक्रवार को प्रशासनिक मशीनरी हरकत में आई और कलेक्टर राजीव रंजन मीणा के आदेश पर एसडीएम डॉ. राजकुमार हलदर के निर्देशन में राजस्व, नगर पालिका और पुलिस की संयुक्त टीम नूतन नगर पहुंच गई। देखते ही देखते मौके पर प्रशासन का बुलडोजर गरजने लगा और कथित अवैध निर्माणों को हटाने की कार्रवाई शुरू कर दी गई। प्रशासन की इस कार्रवाई से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। कॉलोनी के चारों ओर गड्ढे खोदे गए और अवैध निर्माणों को हटाने की कार्रवाई की गई। जिस मामले को लेकर लंबे समय से सवाल उठ रहे थे, वह अब प्रशासनिक कार्रवाई के केंद्र में आ गया है। विश्वनाथ समाचार की खबर के बाद हुई इस कार्रवाई को जनहित के मुद्दे पर मीडिया की सक्रिय भूमिका और प्रशासनिक जवाबदेही के रूप में देखा जा रहा है।

छह बीघा जमीन पर कैसे खड़ी हो गई कथित अवैध कॉलोनी?

नूतन नगर में सर्वे नंबर 478/2/2 की करीब छह बीघा जमीन पर कथित तौर पर कॉलोनी विकसित किए जाने की शिकायतें सामने आई थीं। आरोप है कि कुछ लोगों ने प्लॉट और मकान उपलब्ध कराने के नाम पर निर्माण कराए और जरूरतमंद परिवारों को 12 लाख से 20 लाख रुपए तक में मकान बेच दिए। सवाल यह है कि इतनी बड़ी जमीन पर कॉलोनी विकसित करने की गतिविधियां आखिर किन अनुमतियों के आधार पर संचालित हो रही थीं? क्या कॉलोनी विकास के लिए जरूरी वैधानिक प्रक्रिया पूरी की गई थी? क्या खरीदारों को जमीन और निर्माण की वास्तविक कानूनी स्थिति बताई गई थी? इन सवालों का



जवाब अब प्रशासनिक जांच से सामने आना बाकी है। सबसे चिंताजनक पहलू उन परिवारों का है, जिन्होंने अपने बच्चों के भविष्य और सिर पर छत के सपने के साथ अपनी जीवनभर की जमा पूंजी मकान खरीदने में लगा दी। यदि निर्माण और कॉलोनी विकास अवैध पाए जाते हैं तो इन परिवारों के आर्थिक नुकसान और कानूनी स्थिति का समाधान कौन करेगा?

खबर प्रकाशित होते ही प्रशासन की संयुक्त टीम पहुंची मौके पर

विश्वनाथ समाचार में गुरुवार को प्रमुखता से खबर प्रकाशित होने के बाद शुक्रवार को प्रशासन ने मामले में कार्रवाई की। कलेक्टर राजीव रंजन मीणा के आदेश पर एसडीएम डॉ. राजकुमार हलदर के निर्देशन में राजस्व विभाग, नगर पालिका और पुलिस बल की संयुक्त टीम मौके पर पहुंची। कार्रवाई के दौरान कार्यपालिक मजिस्ट्रेट बाबू सिंह निनामा, तहसीलदार शिवानी श्रीवास्तव, राजस्व निरीक्षक और नगर पालिका के जोन प्रभारी ईश्वरी लाल मीणा सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

टीम ने मौके की स्थिति का जायजा लेते हुए अवैध निर्माणों को हटाने की कार्रवाई की। बुलडोजर के माध्यम से निर्माण हटाए गए, वहीं कॉलोनी के चारों ओर गड्ढे खोदकर अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के प्रयास किए गए। प्रशासन की इस कार्रवाई ने स्पष्ट कर दिया कि नोटिस के बावजूद नियमों की अनदेखी करने वाले निर्माणों पर अब सख्ती की जा रही है।

कई नाम आए सामने, अब खुलेगी जमीन के कारोबार की परतें

जमीन और कॉलोनी विकसित करने से जुड़े मामले में मोहम्मद जाहिद, मोहम्मद तौहिद, मोहम्मद शाहिद, अब्दुल कुरैशी, तौहिद, लाला, शेरू, मोहम्मद सोहेल और समीर सहित अन्य लोगों के नाम सामने आए हैं। प्रशासन द्वारा संबंधित लोगों की भूमिका और दस्तावेजों की जांच की जा रही है। वहीं कुछ मकानों की बिक्री से जुड़े दस्तावेज सांवले द्वारा राहुल प्रजापति के नाम से कराए जाने की जानकारी भी सामने आई है। अब जांच का महत्वपूर्ण पहलू यह होगा कि जमीन का वास्तविक स्वामित्व किसके पास है, कॉलोनी विकसित करने की जिम्मेदारी किन लोगों की थी, मकानों की बिक्री किसने की और खरीदारों से प्राप्त रकम किन खातों अथवा माध्यमों से ली गई। इन सभी बिंदुओं की जांच होने पर ही पूरे कथित कारोबार की वास्तविक तस्वीर सामने आ सकेगी। फिलहाल किसी भी व्यक्ति की दोषसिद्धि जांच और कानूनी प्रक्रिया के बाद ही तय होगी।

कई बार नोटिस, फिर भी नहीं थमी निर्माण गतिविधियां

एसडीएम डॉ. राजकुमार हलदर ने बताया कि संबंधित लोगों को अवैध निर्माणों के संबंध में पहले भी कई बार नोटिस जारी किए गए थे। इसके बावजूद निर्माण और कॉलोनी विकसित करने से जुड़ी गतिविधियां जारी थीं। इसके बाद कलेक्टर के आदेश पर प्रशासन ने कार्रवाई की। एसडीएम ने यह भी स्पष्ट किया कि संबंधित भूमिस्वामियों की भूमिका की जांच की जा रही है और दोषी पाए जाने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मामले में कठोर दंडात्मक कार्रवाई की तैयारी भी की जा रही है।

बुलडोजर तो चल गया, अब एफआईआर की बारी!

प्रशासन की कार्रवाई के बाद अब क्षेत्र में एक और मांग जोर पकड़ रही है कि केवल अवैध निर्माण हटाकर मामले को समाप्त नहीं किया जाए। जिन लोगों ने कथित तौर पर प्लॉट और मकानों की बिक्री कर लाखों रुपए का लेनदेन किया, उनकी भूमिका की गहराई से जांच होनी चाहिए। यदि जांच में धोखाधड़ी, अवैध कॉलोनाइजेशन या अन्य आपराधिक कृत्य सामने आते हैं तो संबंधित धाराओं में एफआईआर दर्ज कर सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। लोगों का कहना है कि जिन परिवारों ने 12 से 20 लाख रुपए तक खर्च कर मकान खरीदे हैं, उनके साथ हुए आर्थिक लेनदेन, दस्तावेजों और संभावित नुकसान की भी जांच होनी चाहिए। प्रशासन को यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि कार्रवाई के दौरान वास्तविक खरीदारों के हितों और उनके कानूनी अधिकारों की अनदेखी न हो।

प्रशासनिक निगरानी पर भी उठे सवाल

इस पूरे घटनाक्रम ने स्थानीय प्रशासनिक व्यवस्था की निगरानी पर भी सवाल खड़े किए हैं। करीब छह बीघा जमीन पर कॉलोनी विकसित करने और मकानों की बिक्री जैसी गतिविधियां यदि लंबे समय से चल रही थीं तो संबंधित विभागों को इसकी जानकारी कब मिली? समय रहते निर्माण पर रोक क्यों नहीं लग सकी? नोटिस जारी होने के बावजूद गतिविधियां जारी कैसे रहीं? क्या संबंधित विभागों के मैदानी अमले ने नियमित निरीक्षण किया था? अब इन सवालों का जवाब भी जांच के दायरे में आना चाहिए, ताकि भविष्य में कोई अन्य व्यक्ति नियमों को ताक पर रखकर आम नागरिकों की मेहनत की कमाई से खिलवाड़ न कर सके।

विश्वनाथ समाचार ने उठाया जनहित का मुद्दा, कार्रवाई से जगी उम्मीद

नूतन नगर का मामला केवल एक अवैध कॉलोनी तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उन हजारों परिवारों के सपनों और आर्थिक सुरक्षा से जुड़ा सवाल है, जो अपने घर का सपना पूरा करने के लिए वर्षों तक पैसा जोड़ते हैं। ऐसे में बिना वैधानिक प्रक्रिया और मूलभूत सुविधाओं के कॉलोनी विकसित किए जाने की शिकायतें बेहद गंभीर हैं।

विश्वनाथ समाचार ने इस मामले को प्रमुखता से उठाकर प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया। खबर प्रकाशित होने के अगले ही दिन हुई कार्रवाई से क्षेत्र में उम्मीद जगी है कि अब पूरे मामले की निष्पक्ष जांच होगी और जिम्मेदार लोगों पर कानून के अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि

क्या प्रशासन का बुलडोजर केवल दीवारों और निर्माणों तक सीमित रहेगा या उन लोगों तक भी पहुंचेगा, जिन पर गरीब परिवारों को कथित तौर पर लाखों रुपए के मकान बेचने के आरोप हैं? क्या खरीदारों को न्याय मिलेगा? क्या पूरे जमीन कारोबार की आर्थिक और कानूनी जांच होगी? नूतन नगर में बुलडोजर चलना कार्रवाई की शुरुआत है, लेकिन इस मामले का असली अंत तभी होगा जब जिम्मेदारों की जवाबदेही तय होगी और प्रभावित परिवारों के हित सुरक्षित किए जाएंगे।

इनका कहना है

"अवैध निर्माणों को लेकर संबंधित लोगों को पहले भी कई बार नोटिस जारी किए गए थे। इसके बावजूद निर्माण और कॉलोनी विकसित करने की गतिविधियां जारी थीं। कलेक्टर के आदेश पर प्रशासन ने कार्रवाई की है। मामले में संबंधित भूमिस्वामियों की भूमिका की जांच की जा रही है। दोषियों के खिलाफ नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जाएगी।"

- डॉ. राजकुमार हलदर, एसडीएम, पीथमपुर

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक संदीप परमार द्वारा उदयरत्न ऑफसेट 170/2, दारू गोडाउन के आगे, आगर रोड, उज्जैन से मुद्रित एवं 215, सोमानी नगर, एयरपोर्ट 60 फीट रोड, इंदौर (म.प्र.) 452005 से प्रकाशित।

सनातन दवदी (स्थानीय संपादक)/ उत्कर्ष जैन-(जीवन डोडिया-9926084685) RNI No. MPHIN/25/A4357- (सभी विवादों का क्षेत्र इंदौर रहेगा)- (नोट : पी.आर.बी. एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी)-मो. 7000928755 E-mail:- vishwanathsamachar@gmail.com